

2011

पत्रिका सोमवार 3 जनवरी, 2011



जुगलबंदी ने मोहा मन

जैन संगीत महाविद्यालय में विभा-आभा की प्रस्तुति

इंदौर संगीत समिती के लिए साल का पहला रविवार सुरु की अर्पण य आदित्य जुगलबंदी लेकर आया। जैन संगीत महाविद्यालय में आयोजित इस जुगलबंदी में विभा चौरसिया व आभा चौरसिया ने एक से बढ़कर एक सुरीली व लयबद्ध प्रस्तुति देकर श्रोताओं का मन मोहा। सुरीली जुगलबंदी की शुरूआत राग मधुमती से हुई। ऐ लाल के मेला... बोल में झिलझिल खगल एक ताल में पेश किया गया। इस सुरमयी आवाज के साथ ही शुरू हुई सुरों की वह बरसात, जिसने श्रोताओं को अंत तक भिगोए रखा। हार्मोनियम पर दीपक कलकटकर व तबले पर विनय बिंदे ने साथ दिया।

पवन पुरवाई बहे... कार्यक्रम में दूसरी प्रस्तुति पवन पुरवाई बहे... की हुई। तीन ताल में प्रस्तुत हुए इस निबद्ध को श्रोताओं ने सराहा। इसके बाद राग रागोभी द्रपताल में प्रथम सुर गायन को भी काफ़ी सराहा गया। राग खमाज में पदरा की जैसी दो जड़ों कदर नाही बोली... की प्रस्तुति हुई, जैसे ही माहोल में अलग रंग धुल गया। अंतिम प्रस्तुति कबीर के भजन लग्यो बार फकीरे में... के रूप में की गई।

दैनिक भास्कर

इंदौर, सोमवार, 29 जनवरी 2011

स्टेज पर आभा-विभा की खास जुगलबंदी

कलाकार
मिथी रिपोटर्स इंदौर

आभा और विभा चौरसिया की जुगलबंदी ने श्रोताओं का मन मोहा। सुरीली जुगलबंदी की शुरूआत राग मधुमती से हुई। ऐ लाल के मेला... बोल में झिलझिल खगल एक ताल में पेश किया गया। इस सुरमयी आवाज के साथ ही शुरू हुई सुरों की वह बरसात, जिसने श्रोताओं को अंत तक भिगोए रखा। हार्मोनियम पर दीपक कलकटकर व तबले पर विनय बिंदे ने साथ दिया।



वेदिक के कार्यक्रम में की की फिले कोलाजी ने बगरी गगन को विभक्त बनाते हैं अपने गायन को। सुरीली जुगलबंदी ने श्रोताओं का मन मोहा। सुरीली जुगलबंदी की शुरूआत राग मधुमती से हुई। ऐ लाल के मेला... बोल में झिलझिल खगल एक ताल में पेश किया गया। इस सुरमयी आवाज के साथ ही शुरू हुई सुरों की वह बरसात, जिसने श्रोताओं को अंत तक भिगोए रखा। हार्मोनियम पर दीपक कलकटकर व तबले पर विनय बिंदे ने साथ दिया।

नईदुनिया इंदौर, बुधवार 5 जनवरी 2011

मीठी और भावपूर्ण प्रस्तुति

जैन संगीत विद्यालय में नववर्ष पर सुरों की बौछार



इंदौर। जैन संगीत विद्यालय के तत्वावधान में नववर्ष के उपलक्ष्य में गायिका डॉ. आभा एवं डॉ. विभा चौरसिया का गायन दिव्यायन सेवा संस्थान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ राग मधुमती से किया गया। फिर रामेश्वरी में छोटा खाल की बंदिश की मधुर प्रस्तुति दी गई। कबीर एवं मीरा के भजनों के साथ समापन किया गया। आवाज में मिठास, विभिन्न धारणों के मेल और भावपूर्ण गायिकी कार्यक्रम की विशेषता रही। हार्मोनियम पर दीपक कलकटकर ने व तबले पर विनय बिंदे ने संगत की।

तारकश्या इटारसी

रविवार, 04 अप्रैल 2010 5

डॉ. आभा विभा चौरसिया का गायन: एक आध्यात्मिक-आत्मिक उत्कर्ष

यह कहना अतिशयोक्ति न होगी कि साहित्य हमें वितां दिया है। अब उनके समकालीनता के बाढ़ में बोधला लगता है, कुमार गंधर्व नयी मुक्ति देते हैं और पूरी परंपरा को हमारा धर बनाते हैं उस सबको हमारे सीधे अनुभव के दायरे में लाते हैं जो हमारा उत्साधिकार हैं। प्रसिद्ध लेखक अशोक काजपेयी कुमार गंधर्व के संदर्भ में सही कहते हैं कि एक अच्छा शास्त्रीय गायक काव्य को नयी परम्परा बनाता है वह तुलसी, मीरा, कबीर और नानक आदि को गाने हुये भक्ति काव्य के प्रति समुची पीढ़ी को संस्कारित करता है।

शास्त्रीय संगीत भक्ति काव्य के प्रति हमारी समुची पीढ़ी का ध्यान आकर्षित करता है आज भी पीढ़ी का मन आधुनिक संगीत के शून्य तत्व से स्मृतिहीन हो गया है। शास्त्रीय संगीत ने भक्ति काव्य को नयी प्रतिष्ठा दी है और आज समुची भारतीय परम्परा से नयी पीढ़ी शास्त्रीय संगीत के माध्यम से जुड़ी है। आज भी गुरुद्वारों और दक्षिण भारत के मंदिरों में संगीत के माध्यम से ईश्वर की उपस्थिति को महसूस किया जाता है इटारसी में गेटरी क्लब, इन्वर्नल और रेटेक्ट क्लब इटारसी के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय शास्त्रीय संगीत की एकमात्र जुगलबंदी गायिका डॉ. आभा और डॉ. विभा चौरसिया का गायन कार्यक्रम परम्परा से जुड़ने का ही एक पवित्र प्रयास है। डॉ. आभा और डॉ. विभा चौरसिया ने देशभर में राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में प्रस्तुतियां दी हैं इनमें दिल्ली, कलकत्ता, मुम्बई और चंडीगढ़ आदि की प्रस्तुतियां प्रमुख हैं वर्ल्ड स्पेस रेडियो पर भी उनके गायन की सुनाया जा चुका है म्याडेटेड के सुरतंग रेडियो से भी उनके गायन का प्रसारण हुआ है किंगडम/आभा और विभा जुड़वां बहनें हैं दोनों बहनें बचपन से ही संगीत आराधना में लीन रही हैं भारतीय शास्त्रीय संगीत के सागर में डूबकर दोनों बहनें ने अपना जीवन संगीत आराधना में समर्पित कर उन्हें सुना भी जा सकता है। www.abhavibha.com



2012



जुगलबंदी : आभा व विभा ने की सुरों की बारिश

नवरंग की संगीत संध्या

जुगलबंदी : आभा व विभा ने की सुरों की बारिश



महिला युगलबंदी में नवरंग प्रस्तुत करती आभा व विभा।



बरसना लगी बदरिया...



महिला युगलबंदी में नवरंग प्रस्तुत करती आभा व विभा।



गान में जुगलबंदी का उठाया लुफ



महिला युगलबंदी में नवरंग प्रस्तुत करती आभा व विभा।



रागों को सहेजा नई पीढ़ी के लिए



महिला युगलबंदी में नवरंग प्रस्तुत करती आभा व विभा।



जुगलबंदी : आभा व विभा ने की सुरों की बारिश

नवरंग की संगीत संध्या

जुगलबंदी : आभा व विभा ने की सुरों की बारिश



महिला युगलबंदी में नवरंग प्रस्तुत करती आभा व विभा।

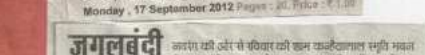


गान में जुगलबंदी का उठाया लुफ



महिला युगलबंदी में नवरंग प्रस्तुत करती आभा व विभा।

रागों को सहेजा नई पीढ़ी के लिए



महिला युगलबंदी में नवरंग प्रस्तुत करती आभा व विभा।



जुगलबंदी : आभा व विभा ने की सुरों की बारिश

नवरंग की संगीत संध्या

जुगलबंदी : आभा व विभा ने की सुरों की बारिश



महिला युगलबंदी में नवरंग प्रस्तुत करती आभा व विभा।

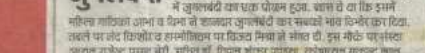


गान में जुगलबंदी का उठाया लुफ



महिला युगलबंदी में नवरंग प्रस्तुत करती आभा व विभा।

रागों को सहेजा नई पीढ़ी के लिए



महिला युगलबंदी में नवरंग प्रस्तुत करती आभा व विभा।



महिला युगलबंदी में नवरंग प्रस्तुत करती आभा व विभा।

2013



